

साधारण सभा के कर्तव्य

8-प्रबन्धकारिणी समिति

बैठकें

सूचना अवधि

रिक्त स्थानों की पूर्ति आदि

9-प्रबन्धकारिणी समिति के कर्तव्य

10-प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारियों के अधिकार एवं कर्तव्य-

अध्यक्ष

उपाध्यक्ष

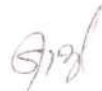
- साधारण सभा में संस्था की कोई भी अचल/चल सम्पत्ति निहित नहीं होगी। बिना साधारण सभा के पूर्व स्वीकृत के प्रबन्धकारिणी समिति कोई भी कार्य कर सकती।।
- संस्था के प्रबन्धकारिणी समिति का गठन साधारण सभा द्वारा किया जायेगा। प्रबन्ध समिति के सात सदस्यों का चुनाव संस्था के आजीवन सदस्यों में से चार सदस्यों का चुनाव साधारण सदस्यों में से करेगे। कुल ग्यारह सदस्यों की यह संस्था होगी। चुनाव जहाँ तक सम्भव होगा गठन पूर्व समिति से होगा नहीं तो साधारण बहुमत द्वारा गोपनीय मतदान के आधार पर होगा। प्रबन्ध समिति के सदस्यों में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक सचिव एवं 8 कार्यकारिणी सदस्य होंगे।
- प्रबन्धकारिणी समिति की प्रत्येक 6 माह में एक बैठक होगी। आवश्यकता पडने पर 24 घण्टे की सूचना पर विशेष बैठक बुलाई जा सकती है।
- बैठक की सूचना सामान्य स्थिति में अण्डर पोस्टिंग सर्टिफिकेट द्वारा एक सप्ताह पूर्व आवश्यक होगी। अन्य माध्यम से सूचना दिया जायेगा।
- प्रबन्ध कार्यकारिणी समिति के सदस्यों के स्थान मृत्यु, त्याग पत्र अथवा किसी कारण से निष्कासित होने पर साधारण सभा में से चुनाव कर पूर्ति करेगा।

1. संस्था का प्रबन्ध कार्य करना।
2. वार्षिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करना अथवा लागू करना।
3. वार्षिक रिपोर्ट प्रकाशित करना।
4. संस्था की समस्त चल व अचल सम्पत्ति का ब्योरा रखना।
5. उपसमितियों के उपनियमों को बनाना और उनके पदाधिकारियों को नियुक्त करना।
6. संस्था के विवादों को सुलझाना।
7. संस्था के विकास हेतु प्रसाय करना।
8. प्रबन्ध कार्यकाल 5 वर्ष का होगा।

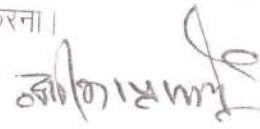
1. सभी प्रकार की बैठकों के अध्यक्षता स्वीकार करना।
2. प्रस्ताव आदि रखने की अनुमति प्रदान करना।
3. समय-समय पर संस्था के कार्यों का निरीक्षण करना।
4. सामान्य मत होने पर अपने एक निर्णायक मत का प्रयोग करना।
5. बैठकों की तिथियों का अनुमोदन करना।
6. मंत्री/सचिव द्वारा अनुमोदित त्याग पत्रों को स्वीकार करना।
7. संस्था के विकास में अपना योगदान करना।

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उसके समस्त कार्योंको सम्पादित करना और सामान्य स्थिति में उसका सहयोग करना।









पद्मान सिंह सुप्रसिंह मान सिंह

25 नवम्बर 2023

मंत्री / सचिव

1. सभी प्रकार की बैठकों को संचालित करना।
 2. बैठकों की कार्यवाहियों को लिपिबद्ध करना।
 3. वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर प्रबन्ध समिति के समक्ष प्रस्तुत करना।
 4. वार्षिक बजट साधारण सभा द्वारा पारित करना।
 5. संस्था की ओर से सभी प्रकार के पत्र व्यवहार करना।
 6. संस्था के ओर से समस्त बिलों बाउचरो पर हस्ताक्षर करना।
 7. संस्था की ओर से समस्त कानूनी कार्यवाही का संचालन करना।
 8. संस्था के मुख्य अधिकारी के रूप में कार्य करना।
 9. उद्देश्यों की पूर्ति हेतु ऋण, अनुदान, चन्द्रा, चल व अचल सम्पत्ति प्राप्त करना।
 10. प्रबन्ध समिति द्वारा समय-समय पर प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करना।
 11. अध्यापकों एवं कर्मचारियों की नियुक्ति, निलम्बन, पदोन्नति, वेतनवृद्धि, वेतन वितरण एवं पद पदच्युत करना।
 12. संस्था की सभी चल व अचल सम्पत्ति पर नियन्त्रण रखना। समस्त अभिलेखों को सुरक्षित रखना।
 13. संस्था के विकास हेतु सरकारी विभागों एवं अन्य संस्थानों से सम्पर्क स्थापित करना।
 14. खादी ग्रामोद्योग बोर्ड खादी आयोग के नियमानुसार संस्था संचालन, प्रबन्ध व प्रसार करना।
- 11-संस्था के नियमों व विनियमों में संशोधन : संस्था के नियमों व विनियमों में संशोधन, परिवर्तन साधारण सभा के 3/5 सदस्यों के बहुमत से सोसायटी अधिनियम की धारा 12 एवं 4 के द्वारा की जायेगी।
- 12-संस्था का कोष : संस्था का कोष किसी राष्ट्रीकृत बैंक में या पोस्ट आफिस में रखा जायेगा, जिसका संचालन संस्था के मंत्री/सचिव के हस्ताक्षर द्वारा किया जायेगा।
- 13-संस्था के आय व्यय का लेखापरीक्षण : संस्था के आय-व्यय का लेखा परीक्षण प्रति वर्ष किसी चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट द्वारा कराया जायेगा।
- संस्था द्वारा उसके विरुद्ध अदालती कर्यवाही के संचालन का उत्तरदायित्व : संस्था द्वारा या उसके विरुद्ध अदालती कार्यवाही के संचालन का उत्तरदायित्व मंत्री/सचिव या उसके द्वारा अधिकृत कोई भी व्यक्ति।
- 14-संस्था के अभिलेख : संस्था के अभिलेख सदस्यता रजिस्टर, कार्यवाही रजिस्टर, कैशबुक, आदि एवं आवश्यक कागजात मंत्री/सचिव के पास सुरक्षित रहेगे।
- 15-संस्था के सामूहिक एवं व्यक्तिगत : संस्था द्वारा लिए गए ऋण की अदायगी करने का

सत्य प्रतिनिधि
 सचिव

सुषमा सिंह

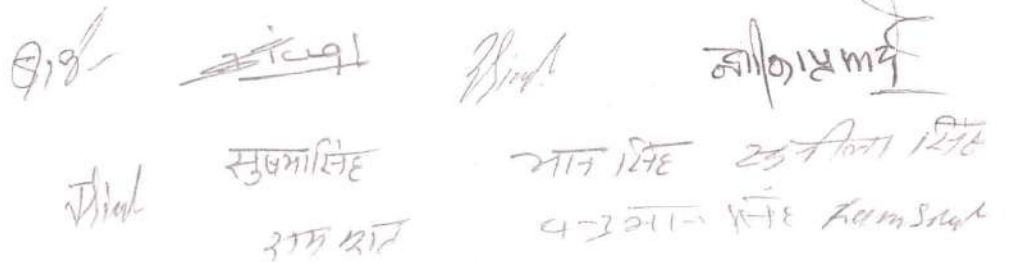
हार्दिक शर्मा
 25 नवंबर 2018
 मान/सिंह

उत्तरदायित्व संस्था के प्रबन्ध समिति के प्रत्येक सदस्य पर सामूहिक एवं व्यक्तिगत रूप से होगा। यह दायित्व सदस्यो पर तब तक बना रहेगा जब तक कि ऋण दाता के ऋण की पूर्ण अदायगी न हो जाय। चाहे भले ही वह संस्था की सदस्यता पृथक क्यो न हो गया। ऋण के विषय में जमानत हेतु संस्था की निजी सम्पत्ति का बन्धक होगा। यदि संस्था के पास निजी सम्पत्ति न हो तो संस्था का कोई सदस्य या पदाधिकारी अपनी अचल सम्पत्ति को बन्धक कर सकेगा। संस्था/समिति की भूमि बन्धक करने से पहले सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम की धारा 5ए उ0प्र0 संशोधन के अनुसार जिला जज से अनुमति लेना अनिवार्य है।

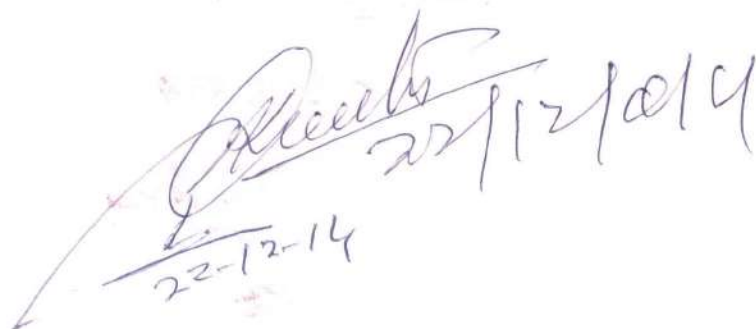
16-संस्था के विघटन

साधारण सभा के सदस्यों के बहुमत से संस्था का विघटन किया जा सकता है और सम्पत्ति के निस्तारण संस्था के सभी दायित्वों के पूर्ण करने के पश्चात अवशेष धन का समान उद्देश्यों हेतु संस्था को हस्तान्तरित किया जा सकता है। जो सोसायटी रजिस्ट्रेशन एक्ट की धारा 13 व 14 के अन्तर्गत की जायेगी।

सत्य प्रतिलिपि



 सुषमा सिंह
 21/12/14



 22-12-14